



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

HR
24/6/88

सं. 617] नई दिल्ली, सोनवार, दिसम्बर 5, 1988/अग्राहायन 14, 1910
No. 617] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 5, 1988/AGRAHAYANA 14, 1910

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1988

अधिसूचनाएं

सा.का.नि. 1118(प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ड-I (पंचम संस्करण, 1985) के नियम 103(5) में अनुलोक के अनुसार संशोधन करते हैं।

यह संशोधन 01-01-1987 से प्रभावी होगा।

[सं. ई(पी&ए) II/86/अ.र.एच 15]

अनुलोक

पृष्ठ 1, नियम 103(5)—“औसत वेतन”

इस नियम के वर्तमान द्वितीय परन्तुक को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित करें :—

“और प्राप्ति यह भी कि रतिय मर्ते के हकदार रेल सेवकों के मामले में छुट्टी वेतन के प्रयोजनार्थ औसत वेतन में, समय-समय पर

प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा प्रवृत्त रतिय मर्ते में वेतन तत्त्व का चयन, एक निश्चित संघटक शामिल होगा।”

MINISTRY OF RAILWAYS
(Railway Board)

New Delhi, the 5th December, 1988

G.S.R. 1118 (E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 103 (5) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition, 1985) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E. (P&A) II/86/RS/15.]

ANNEXURE ‘A’

Page 1, Rule 103(5)—‘Average Pay’.

Substitute the following for the existing second proviso to this Rule:—

“Provided further that in the case of railway servants entitled to running allowance, average pay for the purpose of

leave salary shall include a fixed component representing the pay element in the existing allowances as notified by the Government through administrative instructions from time to time.

सा.का.नि. 1119(प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 401 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-07-1959 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई(पी एंड ए) II/86/प्रार एत 15]

अनुबंध

अग्रिम सुद्धिपत्र सं. 426 स्वा. I

नियम 401

वर्तमान उप नियम (4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :—

वेतन से अभिप्राय भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ड-II के नियम 2003(21)(क) [यू. नि. 9(21)(क)] में परिभाषित वेतन से है। चालन कर्मचारियों के मामले में कर्मचारी के वेतन में प्राधिकृत वेतनमान में वेतन के 25 प्रतिशत को भी चालन बत्ते में वेतन तत्व के रूप में शामिल किया जाएगा।

[प्राधिकार :—रेल मंत्रालय का दि. 22-5-1961 का पत्र सं. पी सी-60/प्रार ए-2/1]

स्पष्टीकरण :—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण-1971 संस्करण) के नियम 401 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-7-59 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से घोषित किया गया है। दूसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संस्तुत प्राधिकृत वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का प्रमुख प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतत्वीय प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिफल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1119(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-07-1959.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 426 R.I.

RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following :—

“Pay” means pay as defined in Rule 2003(21)(a) [F.R. 9(21)(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume-II. In the case of Running Staff, Pay shall also include 25% of pay in the authorised Scales of Pay as the pay element in running allowance.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways) letter No. PC-60/RA-2/1 dt. 22-5-1961.)

EXPLANATION :

The Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st Reprint—1971 Edition) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-7-59. These instructions were necessitated by the introduction of the authorised scales of pay recommended by the Second Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1120(प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 401 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-02-1963 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई(पी एंड ए) II/86/प्रार एत 15]

अनुबंध

अग्रिम सुद्धिपत्र सं. 427 स्वा. I

नियम 401

वर्तमान उप नियम (4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :—

“वेतन” से अभिप्राय भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ड-II (प्रथम पुनर्मुद्रण—1971 संस्करण) के नियम 2003(21)(क) [यू. नि. 9(21)(क)] में परिभाषित वेतन से है। चालन कर्मचारियों के मामले में कर्मचारी के वेतन में प्राधिकृत वेतनमान में वेतन के 40 प्रतिशत को भी चालन बत्ते में वेतन तत्व के रूप में शामिल किया जाएगा।

[प्राधिकार :—रेल मंत्रालय का दि. 7-3-63 का पत्र सं. पी सी-60/प्रार. ए. 2/1]

स्पष्टीकरण :—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण-1971 संस्करण) के नियम 401 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-2-63 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से घोषित किया गया है। दूसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संस्तुत प्राधिकृत वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का प्रमुख प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतत्वीय प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिफल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1120 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-02-1963.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 427 R.I.

RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following :—

“Pay” means pay as defined in Rule 2003(21)(a) [F.R. 9(21)(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume II

In the case of Running Staff, Pay shall also include 40% of pay in the revised Scales of pay as the pay element in running allowance."

AUTHORITY : (Ministry of Railways letter No. PC-60/-RA-2/1 dt. 7-3-1963).

EXPLANATION :

The Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st Reprint—1971 Edition) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-2-1963. These instructions were necessitated by the introduction of the authorised scales of pay recommended by the Second Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1121(घ):—पंजीयन के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रवृत्त कर्मियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता, खंड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 401 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) 11/86/प्रार एन 15]

अनुसूचक

प्रथम मुद्रित सं. 431 स्था. 1

नियम 481

वर्तमान उपनियम (4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

"वेतन" से अभिप्राय भारतीय रेल स्थापना संहिता, खंड-1 के नियम 2003 (21)(क) सू. नि. 9/21 (क) में परिभाषित वेतन से है। चालन कर्मचारियों के मामले में, कर्मचारियों के वेतन में संशोधित वेतनमान में वेतन का 30 प्रतिशत जो चालन करते में वेतन के रूप में शामिल होगा।

[प्राधिकार :—रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. पी. सी. 3/75/प्रार. ए.]

स्पष्टीकरण :

भारतीय रेल स्थापना संहिता, खंड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण—1971 संस्करण) के नियम 401 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-1976 से प्रभावी प्रकाशनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राणोचित किया गया है। सोसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संस्तुत संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का प्रभाव प्रकाशनिक अनुदेशों को उसी तारीख से लागू की गति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1121(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, volume I (First Reprint) as in the Annexure. The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&E)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 431 R.I.

RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following:
"Pay" means pay as defined in Rule 2003 (21)(a) [FR. 9(21) (a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume II. In the case of Running Staff, Pay shall also include 30% of pay in the revised scales of pay as the pay element in Running Allowance."

AUTHORITY: Ministry of Railways letter No. PCII (75/RA-1 dt. 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1122 (घ):—पंजीयन के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रवृत्त कर्मियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता, खंड-I (प्रथम संस्करण, 1985) के नियम 603 (1) में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1987 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) 11/86/प्रार एन 15]

अनुसूचक

पृष्ठ सं. 11

पृष्ठ 63, नियम 603 (1)—"प्राधिकृत विहित परित्याग को परिभाषा"

"दिल्ले" में वर्तमान सब (1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित करें—

"रनिंग कर्मचारियों के मामले में समय-समय पर प्रकाशनिक अनुदेशों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा प्रमाणित रनिंग बले में वेतन तद का चोख एक निश्चित संवत्।"

G.S.R. 1122(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 603(1) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition), 1985 as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E/P&A/II/86/RS/15]

ANNEXURE

Page 63, Rule 603(1)—"Definition of Authorized Medical Attendants".

In the 'Note' substitute the following instead of the item (i):—

"In the case of running staff fixed component representing the Pay element in the running allowance as notified by the Government through administrative instructions from time to time."

सा. का. नि. 1123 (अ) :—संविधान परामुक्त द्वारा प्रवर्तमान कर्मियों का प्रथम के अनुच्छेद 309 के तहत स्थापन संहिता, जिल्ड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 712 में संशोधन 01-08-1981 करते हैं।

-1976 से प्रभाव को होंगे।

[सं. ई. (पी एंड ए) 11/86/प्रार एस 15]

अनुबंध

अग्रिम सुविधा सं. 432 स्वा. 1

नियम 712

उप नियम (5) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“औसत वेतन” का अर्थ प्रायः संशोधित वेतनमान में लिये गये वेतन से है, अथवा वह वेतन जो एक रेल सेवक द्वारा अधिष्ठाया रूप से अपने स्थायी पद पर छुट्टी लेने की तारीख से पहले की तारीख को लिया जाये परन्तु आलन भत्ते के हकदार कर्मचारियों के वेतन में, जिस महीने रेल सेवक छुट्टी पर जाता है उस महीने के तत्काल पूर्व के बारह महीनों की अवधि के दौरान अर्जित औसत आलन भत्ते उसी अवधि में लिये गये वेतन के औसत के अधिकतम 45 प्रतिशत की शर्त के संशोधन शामिल किये जायेंगे। एक मास से अधिक छुट्टी के मामलों में एक बार निर्धारित औसत आलन भत्ता वित्त वर्ष की शेष अवधि में लागू रहेगा।

[प्रविकार : रेल मंत्रालय दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. पी सी 3/76/प्रार. ए/1]

स्पष्टीकरण :—

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण—1971 संस्करण) के नियम 712 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-1976 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से घोषित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संशुद्ध संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आलन प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1123(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 432 R.I.

RULE 712

The sub-rule(5) may be substituted by the following:

“‘Average Pay’ means the pay drawn in the revised scales of pay, or that would be drawn by a railway servant in the permanent post held substantively by him on the date

preceding that on which he proceeds on leave provided that the pay of staff entitled to running allowance shall include the average running allowance earned during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave subject to a maximum of 45% of average of the pay drawn for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month.”

AUTHORITY: (Ministry of Railways letter No. PC-III/75-RA/I dated 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1124 (अ) :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परामुक्त द्वारा प्रवर्तमान कर्मियों का प्रथम के अनुच्छेद 309 के तहत स्थापन संहिता, जिल्ड-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 712 में अनुमोदन के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभाव को होंगे।

[सं. ई. (पी एंड ए) 11/86/प्रार एस 15]

अनुबंध

अग्रिम सुविधा सं. 440 स्वा. 1

नियम 712 उप नियम (5) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“औसत वेतन का अर्थ प्रायः संशोधित वेतनमान में लिये गये वेतन से है, अथवा वह वेतन जो एक रेल सेवक द्वारा अधिष्ठाया रूप से अपने स्थायी पद पर छुट्टी लेने की तारीख से पहले की तारीख को लिया गया हो परन्तु आलन भत्ते के हकदार कर्मचारियों के वेतन में, जिस महीने रेल सेवक छुट्टी पर जाता है उस महीने के तत्काल पूर्व के बारह महीनों की अवधि के दौरान अर्जित औसत आलन भत्ते उसी अवधि में लिये गये वेतन के औसत के अधिकतम 45 प्रतिशत की शर्त के संशोधन शामिल किये जायेंगे। एक मास से अधिक छुट्टी के मामलों में एक बार निर्धारित औसत आलन भत्ता वित्त वर्ष की शेष अवधि में लागू रहेगा।

[प्रविकार : रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. ई(पी एंड ए) 2/80/प्रार एस-10]

स्पष्टीकरण :

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 712 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-81 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से घोषित किया गया है। आलन भत्ते समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा लिये गये विनियमों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का आलन प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1124 (E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 440 R.I.

RULE 712

The sub-rule (5) may be substituted by the following:

" 'Average Pay' means the pay drawn or that would be drawn by a railway servant in the permanent post held substantively by him on the date preceding that on which he proceeds on leave; provided that the pay of staff entitled to running allowances shall also include 30% of pay, in the revised scales of pay as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION:

The Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1124 (म).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 730 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) II/86/भार एस्-16]

अनुसूचक

अग्रिम सुविपल सं. 433 स्था. I

नियम 730

नियम 730 के नीचे टिप्पण को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

टिप्पण: आसन भत्ते के हकदार कर्मचारियों के मापले में, रेल तब तक के छुट्टी पर जाने के महीने से तत्काल पूर्व के 12 महीनों के दौरान अर्जित औसत आसन भत्ता शामिल होगा, परन्तु यह संशोधित वेतनमान में उक्त अवधि के लिये गये वेतन के औसत का अधिक से अधिक 45 प्रतिशत होगा। एक मास से अनधिक अवधि के मासों में एकबार निर्धारित औसत आसन भत्ता वित्त वर्ष का शेष अवधि के दौरान लागू रहेगा।

[प्राधिकार: रेल मंत्रालय का दि. 22-3-1976 का पत्र सं. पी. डी. 3/28/भार.प/1]

सप्टीकरण भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-I [प्रथम पुनर्मुद्रण-1971 संस्करण] के नियम 730 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-1976 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राणोचित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संयुक्त संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आशय, प्रशासनिक अनुदेशों को उक्त तारीख से कानूनी पक्षित प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनशो प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होंगे हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1125 (B).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No.E(P&A)II/87/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 433 R.I.

RULE 730

Note under Rule 730 may be substituted by the following:

"NOTE:—In the case of staff entitled to running allowance pay shall include the average running allowance earned during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave, subject to a maximum of 45% of average of the pay in the revised scales of pay, drawn for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month".

AUTHORITY: [Ministry of Railway's letter No. PC-III/-73/RA/1 dated 22-3-1976]

EXPLANATION:

The Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1125 (म).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 730 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) II/86/भार एस्-16]

अनुबंध

अग्रिम सुविपन्न सं. 441 स्वा.-1

नियम 730

नियम 730 के नीचे दिव्य को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“दिव्य : जालन भत्ते के हकदार कर्मचारियों के मामले में, “वेतन” में जालन भत्ते में वेतन तत्व के रूप में संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी शामिल होगा।

[प्रतिकार : रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. ई (पी एंड ए) 2/80/भार एम 10]

स्पष्टीकरण :

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिस-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 730 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-1981 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। जालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किए गए विनिश्चयों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का आशय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन विधियों के अन्तर्गत प्रभाव से क्रिया भी कर्मचारियों पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1126(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 441 R.I.

RULE 730

Note under Rule 730 may be substituted by the following:

“NOTE:—In the case of Staff entitled to running allowance, ‘Pay’ shall also include 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as pay element in running allowance.

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].]

EXPLANATION:

The Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1127(म).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिस-1 (प्रथम संस्करण, 1935) के नियम 902(8) में अनु-संसार के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1987 से प्रभावी होंगे।

सं. ई (पी एंड ए) II/86/भार एम 15]

अनुलग्नक

पृष्ठ 91, नियम 902(8) “वेतन”

मुख्य परिभाषा में निम्नलिखित को अंतिम वाक्य के रूप में जोड़ें—

“रनिंग कर्मचारियों के मामले में भविष्य दिवि में विशेष प्रशदान के लिए वेतन में, समय-समय पर प्रशासनिक अनु-वेधों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा अधिसूचित रनिंग भत्ते में वेतन तत्व का जोड़ एक निश्चित षटक शामिल होगा।

G.S.R. 1127 (E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 902(8) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Edition, 1985) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

Page 91, Rule 902 (8) — ‘Pay’.

Add the following as the last sentence in the main definition:—

“In the case of running staff the pay for special contribution to Provident Fund will include a fixed component representing the pay element in the running allowance, as notified by the Government through administrative instructions from time to time”.

सा.का.नि. 1128(म):—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता जिस-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम में अनुसंसार के अनु-सार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन ----- से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) II/86/भार एम 15]

अनुबंध

अग्रिम सुविपन्न सं. 434 स्वा.-I

नियम 903

नियम 903(1) के नीचे दिव्य (1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“जालन कर्मचारियों के मामले में, संशोधित वेतनमान में वेतन के 45 प्रतिशत तत्व जालन भत्ता।”

[प्रतिकार :—रेल मंत्रालय का दिनांक 22-7-1978 का पत्र सं. पी सी-3/78-भार ए/1]

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिस-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण-1971 संस्करण) के नियम 903 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-78 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय

वेतन आयोग द्वारा संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आशय 4 प्रशासनिक अनुदेशों की उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतबो प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1128(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 434 R.I.

RULE 903

Note (i) under Rule 903(1) may be substituted by the following:—

"In the case of running staff, running allowance to the extent of 45% of pay in the revised scales of pay."

AUTHORITY : (Ministry of Railways letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through Administration instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1129(प्र):—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता जिल्ड-I पंचम संस्करण, 1983 के नियम 902(5) में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1976 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई.(पी. एंड ए.) II/86/आर.एस. 15]

अनुसूचक

पृष्ठ 90 नियम 902(5) — "परिषद्दियों"

नब (1) के वर्तमान परन्तुक को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित करें:—

"रनिंग-स्टाफ के हकदार मातृ "ग" और मातृ "ब" रेल वेतन की मासिक परिवर्धियों में समय-समय पर प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा अधिसूचित रनिंग-स्टाफ में वेतन तब का छोटा एक निश्चित संघटक शामिल होगा।"

G.S.R. 1129(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 902(5) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition), 1985 as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

Page 90, Rule 902(5) — "Emoluments."

Substitute the following instead of the existing proviso—
Item (i) :—

"The monthly emoluments of a Group 'C' and Group 'D' Railway servant entitled to running allowance shall include a fixed component representing the pay element in the running allowance, as notified by the Government through administrative instructions from time to time."

सा.का.नि. 1130(अ):—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता जिल्ड-I (पंचम पुनर्मुद्रण) के नियम 903 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई.(पी. एंड ए.) II/86/आर.एस. 15]

अनुसूचक

अग्रिम खंडित सं. 442 स्था. 1

नियम 903

उप नियम (1) के नीचे दिव्य (i) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

"दिव्य" चलन कर्मचारियों के मामले में जारी पत्र में वेतन तब के रूप में, संशोधित वेतनमान में गूल वेतन का 30 प्रतिशत।

प्रधिकार:—रेल मंत्रालय का दि. 17-7-1981 का पत्र सं. ई. (पी. एंड ए.)-2/80/आर. एस.-10।

स्पष्टीकरण:—

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 903 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-81 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है जारी मता सक्ति (1930) की गिनतियों पर सरकार द्वारा किये गये विनिर्देश के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का आशय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतबो प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1130(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 442 R.I.

RULE 903

Note (i) under sub-rule (1) may be substituted by the following :

"NOTE :—In the case of running staff, 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as the pay element in running allowance."

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981.)

EXPLANATION :

The Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1131(घ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिसमें—I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1107 में अनुसन्ध के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए)/II/86/भार एस 15]

अनुबंध

प्रथम मुद्रित सं. 438 स्वा. 1

नियम 1107

उप नियम (3) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

“इस प्रयोजन के लिए ‘वेतन’ अधिष्ठायी वेतन होगा और इसमें बालन मत्ता शामिल होगा जो बालन कर्मचारियों के मामले में संशोधित वेतनमान में अधिष्ठायी वेतन का अधिक से अधिक 45 प्रतिशत होगा।”

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. पीसी 3/75/भार एस./1)

स्पष्टीकरण :—

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिसमें I (प्रथम पुनर्मुद्रण—1971 संस्करण) के नियम 1107 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। सीसरे के नवीन वेतन आयोग द्वारा सन्तुल संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आशय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के मूलनवीन प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1131(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 435 R.I.

RULE 1107

The sub-rule (3) may be substituted by the following :—

“ ‘Pay’ for this purpose shall be substantive pay and shall include the running allowance subject to a maximum

of 45% of substantive pay, in the revised scales of pay, in the case of running staff.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976.)

EXPLANATION :

The Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the instruction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1132(घ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिसमें—I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1107 में अनुसन्ध के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए)/II/86/भार एस 15]

अनुबंध

प्रथम मुद्रित सं. 443 स्वा. 1

नियम 1107

उप नियम (3) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

“इस प्रयोजन के लिए ‘वेतन’ अधिष्ठायी वेतन होगा और इसमें बालन मत्ता से वेतन तत्त्व के रूप में संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी शामिल होगा।”

(प्राधिकार :—रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. ई (पी एंड ए)-2/80/भार एस-10)

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 1107 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-6-81 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। बालन मत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनिश्चयों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का आशय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के मूलनवीन प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1132(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E. (P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 443 R.I.

RULE 1107

The sub-rule (3) may be substituted by the following:—

“‘Pay’ for this purpose shall be substantive pay and shall also include 30% of basic pay; in the revised scales of pay, as the pay element in running allowance.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways’ letter No. E (P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981)

EXPLANATION

The Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President’s approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government’s decision on the recommendation of ‘Running Allowance Committee (1980)’. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1133(घ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति की भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्द-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1108 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई. (पी एंड ए) 11/86/भार एस-15]

अनुबंध

अग्रिम शृङ्खला में 436 स्था 1

नियम 1108

उप नियम 5(ख) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाये —

“खण्ड (क) के प्रयोजन के लिए वेतन से अग्रिप्राय अग्रिष्ठायी वेतन से है और जिसमें स्थानापन्न वेतन, विशेष वेतन और वैयक्तिक वेतन शामिल है। चासन भत्ते के हकदार कर्मचारिवृत्त के मामले में उसके वेतन में संशोधित वेतनमान में चासन भत्ता भी शामिल होगा, जो वेतन का अधिक से अधिक 45 प्रतिशत होगा।”

उप नियम 5(ख) के नीचे टिप्पण को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये —

“टिप्पण .

किर्ती रेल सेवक की छुट्टी की अवधि के दौरान, ‘वेतन’ रेल सेवक के अग्रिष्ठायी वेतन, वैयक्तिक वेतन और विशेष वेतन, यदि कोई हो, को मिलाकर माना जाना चाहिए। जालन कर्मचारियों के मामले में अग्रिष्ठायी वेतन में यह जातन भत्ता, जो रेल सेवक में उस अवधि के दौरान लिया होता, शामिल माना जाना चाहिए, परन्तु यह संशोधित वेतनमान में ऐसे भत्ते के 45 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।”

(राशिफार : रेल मंत्रालय का दि. 22-3-1976 का पत्र सं. पी सी 3/75/भार ए/1)

3119 GI/88

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्द I (प्रथम पुनर्मुद्रण 1971 संस्करण) के नियम 1108 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से अशोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संस्तुत संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का प्रभाव प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलसी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1133 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the President is pleased to amend Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E. (P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 436 R.I.

RULE 1108

The sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:—

“‘Pay’ for the purpose of Clause (a) means substantive pay and includes officiating pay, special pay and personal pay. In respect of staff entitled to running allowances, it also includes running allowance subject to a maximum of 45% of pay, in the revised scales of pay.”

The Note under sub-rule (5)(b) may be substituted by the following :

“NOTE : During the period a railway servant is on leave, ‘Pay’ should be taken to mean the railway servant’s substantive pay plus personal pay and special pay, if any. In the case of running staff, substantive pay should be held to include running allowance which the railway servant would have drawn during the period, subject to such allowance not exceeding 45% of his substantive pay, in the revised scales of pay.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways’ letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (first reprint) has been modified through administrative instructions issued with President’s approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1134(घ).—संविधान के अनुच्छेद 30 के परम्पुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्द-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण संस्करण) के नियम 1108 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई. (पी एंड ए) 11/86/भार एस 15]

अनुवन्ध

अधिनियम सं. 444 स्वा. 1

नियम 1108

उप नियम (5)(ख) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

“खण्ड (क) के प्रयोजन के लिए वेतन से अतिरिक्त अधिव्याप्त वेतन से है और इसमें स्थापित वेतन, निगेड वेतन और वैयक्तिक वेतन शामिल है। चालन भत्ता के हकदार कर्मचारियों के मामले में इन वेतन में चालन भत्ता में वेतन तब के रूप में, संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी शामिल है।

[प्राधिकार :—रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. ई (पी एंड ए) 2/80/मार एम-10]

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापन संहिता के नियम 1108 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-81 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। चालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनिर्देशों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का भाव्य प्रशासनिक अनुदेशों को उच्च तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिन तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिन पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1134 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 444 R.I.
RULE 1108

The sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:—

Pay for the purpose of Clause (a) means substantive pay and includes officiating pay, special pay and personal pay. In respect of staff entitled to running allowances, it also includes 30 % of basic pay, in the revised Scale of pay, as the pay element in running allowance.”

AUTHORITY : [Ministry of Railways' letter No. E (P&A II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION :

The Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I, (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सो.का.नि. 1135(घ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति को भारतीय रेल स्थापन संहिता, खंड-1 (पंचम पुनर्मुद्रण) के नियम 1302 में अनुमानक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1973 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) II/86/मार एम 15]

अनुवन्ध

अधिनियम सं. 428 स्वा. 1

नियम 1302

उप नियम (5) के नीचे परन्तु (11) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

“चालन भत्ते के हकदार अराजक रेल सेवक की मासिक परिवर्धनों में, उसके द्वारा महीने के दौरान ली गयी चालन भत्ते की वास्तविक राशि, जो संशोधित वेतनमान में अधिक से अधिक उसके वेतन का 45 प्रतिशत तक होगी, शामिल की जायेगी।

(प्राधिकार :—रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1977 का पत्र सं. पी सी-3/75/मार ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के दिनांक 23-6-1976 के सम-संबन्धक पत्र द्वारा संशोधित किया गया।)

स्पष्टीकरण :—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, खंड-1 (पंचम पुनर्मुद्रण-1971 संस्करण) के नियम 1302 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। चौदह केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संशुद्ध संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का भाव्य प्रशासनिक अनुदेशों को उच्च तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1135(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the President is pleased to amend Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO 428 R.I

RULE 1302

The Proviso () under sub rule (5) may be substituted by the following;

“The monthly emoluments of a non-gazetted railway servant entitled to running allowances shall include the actual amount of running allowance drawn by him during the month, limited to a maximum of 45 % of his pay, in the revised Scales of Pay”.

(AUTHORITY : Ministry of Railway's letters No. PCIII 75/RA/I dated 22-3-76 and dated 23-6-76).

EXPLANATION :

The Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1136 (अ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1302 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[सं० ई(पो एंड ए) II/86/भार एस-15]

अनुसूचक

अग्रिम शुद्धिपत्र सं. 437 स्वा. I

नियम 1302

उपनियम (6) के नीचे परस्पर (ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“जालन भत्ते के हकदार सराजपति रेल सेवक को मासिक परिश्रमियों में जालन भत्ते के बतन तल के रूप में संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 55 प्रतिशत भी शामिल किया जायेगा।”

[प्राधिकार: रेल मंत्रालय का वि. 17-7-1981 का पत्र सं. ई (पो एंड ए) 2/80/भार एस 10]

स्पष्टीकरण:—

राष्ट्रीय रेल स्थापन संहिता के नियम 1302 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्रभावित किया गया है। जालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किए गये विनियमों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इन संशोधन का जालन प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के मूलतः प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1136 (E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 437 R.I.

RULE 1302

The Proviso (ii) under Sub-rule (5) may be substituted by the following:—

“The monthly emoluments of a non-gazetted railway servant entitled to running allowance shall also include

55% of basic pay in the revised scales of pay, as the pay element in Running Allowance.”

AUTHORITY: Ministry of Railways' letter No. E (P & A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981.”

EXPLANATION :

The Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decisions on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1137 (अ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1309 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1973 से प्रभावी होंगे।

[सं० ई(पो एंड ए) II/86/भार एस 15]

अनुसूचक

अग्रिम शुद्धिपत्र सं. 429 स्वा. I

नियम 1309

उपनियम (1) के नीचे परस्पर (ii) में दूसरे भाग को निम्न लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“जालन कर्मचारियों के मामले में, जहाँ में उन और जालन भत्ते का बार्डों का भी जोड़ा जायेगा जो उनके घरों छोड़ें शुरू होने वाले महीने से पहले के बार्ड महीनों में प्रभावित किया हो, जो उनके यहाँ उचित विज्ञापन संशोधित वेतनमान में स्थापित/नूतन वेतन के, जारी रहे हों विशेष के तब उस पर के वेतनमान का विस्तार हो तो वह भी शामिल होगा, 45 प्रतिशत तक सीमित होगा।

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का वि. 22-3-1976 का पत्र सं. पी. सी. 3/75/भार एस/1 जैसा रेल मंत्रालय के दिनांक 23-8-1976 के समसंबन्धक पत्र द्वारा संशोधित किया गया)।

स्पष्टीकरण:

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रथम पुनर्मुद्रण, 1971 संस्करण) के नियम 1309 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्रभावित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संशुद्ध प्रभावित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का प्रभाव प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के मूलतः प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1137(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 429 R.I.

RULE 1309

The second sentence in Proviso (ii) under Sub-rule (1) may be substituted by the following:

"In the case of Running Staff, 1/12th of the Average running allowance earned per month during the 12 months preceding the month in which his leave begins limited to 45% of the officiating/substantive pay in the revised Scales of Pay, as referred to above, including Special Pay if forming part of the scale of pay of the post shall also be added to that."

(AUTHORITY : Ministry of Railway's letters No. PC III/75/RA/1 dated 22-3-1976 and 23-6-1976)

EXPLANATION :

The Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of Pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1138 (प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1309 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) /II/86/भार एस 15]

अनुबंध

अग्रिम सुविधा सं. 438 स्वा. I

नियम 1309

उप नियम (1) के नीचे परंतुक (ii) के दूसरे वाक्य को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

"चालन कर्मचारियों के मामले में चालन भत्ते में वेतन का दशक, संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 55 प्रतिशत भी जोड़ा जायेगा।

(प्राधिकार : रेल मंत्रालय का दि. 17-7-1981 का पत्र सं. ई(पी एंड ए.) 2/80/भार एस-10)

स्पष्टीकरण :—

भारतीय रेल स्थापन संहिता के जिल्द I (प्रथम पुनर्मुद्रण) नियम 1309 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। चालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनियमों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का आशय

प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतकाली प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1138(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 438 R.I.

RULE 1309

The second sentence in proviso (ii) under Sub-rule (1) may be substituted by the following:—

"In the case of running staff 55% of basic pay, in the revised scales of pay, representing the pay element in Running Allowances shall also be added to that."

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. E (P&A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981.)

EXPLANATION :

The Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1139 (प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1309 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) /II/86/भार एस 15]

अनुबंध

अग्रिम सुविधा सं. 430 स्वा. I

नियम 1502

उप नियम (3) के नीचे परंतुक को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

"परंतु इन दोनों मामलों में यदि कोई रेल सेवक चालन भत्ते का हकदार है तो वेतन में वह मासिक औसत चालन भत्ता भी शामिल होगा जो रेल सेवक ने सेवा छोड़ने के तत्काल पूर्व के 365 दिनों में किये गये चालन कर्तव्यों के लिए लिया हो, पर संशोधित वेतनमान में उस अवधि में किये गये औसत वेतन से 45 प्रतिशत तक सीमित होगा।

(प्राधिकार : रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. पी. सी. 3/75/भार एस/1 जैसा रेल मंत्रालय के दि. 23-6-1976 के समसंस्कृत पत्र द्वारा संशोधित किया गया)।

स्पष्टीकरण :—

अनुबन्ध

भारतीय रेल स्थापन संहिता, खिन्व-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण—1971 संस्करण) के नियम 1502 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राणोचित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संस्तुतसंशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इन संशोधन का प्रभाव प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलजो प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होने हैं, पत्रिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1139(E) —In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 430 R.I.

RULE 1502

The Proviso under sub-rule (3) may be substituted by the following :

“Provided that in respect of a Railway Servant of either case entitled to Running Allowances, pay shall also include the monthly average Running Allowance drawn by the Railway servant during 365 days of running duty immediately preceding the date of quitting service, limited to 45% of average pay for the same period, in the revised scales of pay.”

[AUTHORITY : Ministry of Railway's letters No. PCIII/75/RA/1 dated 22-3-1976 as amended by letter of even number dated 23-6-1976].

EXPLANATION :

The Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.वि. 1140(ख) :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता खिन्व-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1502 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[सं ई. (पी. एंड ए) II/86/प्रार. एम 15]

अग्रिम बुद्धिपत्र नं 439 स्था. I

नियम 1502

उप नियम (3) के नीचे परन्तुक को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

“परन्तु दोनों प्रकार के मामलों में यदि कोई रेल कर्मचारी चालन भत्ते का हकदार है तो वेतन में चालन भत्ते को वेतन तथ्य के रूप में संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 55 प्रतिशत या जितना कम प्रायेण।

[प्राधिकार : रेल मन्त्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र नं ई (पी. एंड ए)-2 /80/प्रार. एम -10]

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापन संहिता के नियम 1502 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राणोचित किया गया है चालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनियमों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इन संशोधन का प्रभाव प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलजो प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होने हैं, पत्रिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1140(E). —In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 439 R.I.

RULE 1502

The proviso under sub-rule (3) may be substituted by the following :

“Provided that in respect of a railway servant of either case, entitled to running allowances, pay shall also include 55% of basic pay, in the revised scales of pay as the pay element in Running Allowances.”

[AUTHORITY: Ministry of Railways letter No. E(P&A)II-80/RS-10 dated 17-7-1981.]

EXPLANATION .

The Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decisions on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1141(अ):—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-II (पाँचवा पुनर्मुद्रण) के नियम 2003 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई(पी एंड ए)II/86/आर एस 15]

अनुसूचक

अग्रिम सुविषय सं 408 स्वा.-II

नियम 2003

उप नियम (2) के नीचे परन्तु (ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“परन्तु यह और कि चालन भत्ते के हकदार कर्मचारियों के मामले में छुट्टी वेतन के प्रयोजन के लिए औसत वेतन में चालन भत्ते में वेतन तत्व के रूप में संशोधित वेतनमान में, मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी शामिल होगा।

[प्राधिकार:—रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. (पी. एंड ए.)-2/80/आर.एस. 10]।

स्पष्टीकरण:—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द (II) (पाँचवा पुनर्मुद्रण) के नियम 2003 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-1981 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्रासंगिक किया गया है। चालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनिर्देशों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का प्रासंगिक प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलसी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1141(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 408 R.II

RULE 2003

Proviso (ii) under sub-rule (2) may be substituted by the following :

“Provided further that in the case of Staff entitled to running allowances, average pay for the purpose of leave salary shall also include 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as the pay element in Running Allowance.”

[AUTHORITY: Ministry of Railway's letter No. E. (P&A)II-30/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION :

The Rule 2003 of the Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions

with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1142(अ):—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता जिल्द-II (पाँचवा पुनर्मुद्रण) के नियम 2003 में अनुसूचक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[सं ई (पी एंड ए)II/86/ आर एस 15]

अनुसूचक

अग्रिम सुविषय सं.-408 स्वा. II

नियम 2003

उप नियम (2) के नीचे परन्तु (ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“परन्तु यह और कि चालन भत्ते के हकदार कर्मचारियों के मामले में, छुट्टी वेतन के प्रयोजन के लिए औसत वेतन में शामिल होगा, वह औसत चालन भत्ता जो रेल सेवा में छुट्टी वाले महीने से तत्काल पूर्व के बारह महीनों में प्रविष्ट किया हो, परन्तु यह संशोधित वेतनमान में उसी अवधि के लिए वेतन के औसत के 45 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। एक मास से अधिक छुट्टी के मामलों में एक बार निर्धारित औसत चालन भत्ता वित्त वर्ष की छेप अवधि में लागू रहेगा।

[प्राधिकार:—रेल मंत्रालय का दि. 22-3-1976 का पत्र सं. पी. सी.-3/75/आर.एस./1]

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द II (पाँचवा पुनर्मुद्रण) के नियम 2003 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्रासंगिक किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संसुद्ध संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का प्रासंगिक प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलसी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1142(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO 406 R.II

RULE 2003

Proviso (ii) under sub-rule (2) may be substituted by the following :

“Provided further that in the case of staff entitled to running allowances, average pay for the purpose of leave salary shall include the average running allowance earned

during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave, subject to a maximum of 45% of average of the pay in the revised scales of pay, for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month".

AUTHORITY: Ministry of Railway's letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1143(अ) —संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द II (पांचवां पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 में अनुसमर्थन के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1973 से प्रभावी होंगे।

[स. ई. (पी एच ए) 11/86/भार एम-15]

अनुसमर्थन

अग्रिम मुद्रित सं 405 स्था. II

नियम 2544

उप-नियम (छ) (i) और (छ) (ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :-

छ(i) औसत परिसंधियों के परिकल्पन के प्रयोजन के लिए :-

संशोधित वेतनमान में रेल सेवक द्वारा महीने के दौरान ली गयी चालन भत्ते की वास्तविक राशि जो वेतन के अधिक से अधिक 45 प्रतिशत तक सीमित है।

छ(ii) उपदान और/अथवा भृत्य एवं सेवा निवृत्ति उपदान के प्रयोजन के लिए सेवा—छोड़ने के तत्काल पूर्व के 365 दिनों के चालन कर्तव्य के दौरान संशोधित वेतनमान में लिये गये चालन भत्ते का मासिक औसत जो उसी अवधि के दौरान लिये गये औसत वेतन के 45 प्रतिशत तक सीमित हो।

(प्राधिकार : रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. पी सी 3/75/भार ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के दिनांक 23-6-1976 के सम-संख्यक पत्र द्वारा संशोधित किया गया)

स्पष्टीकरण :-

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द II (पांचवां पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी किया गया है।

1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से संशोधित किया गया है। तीसरे केंद्रीय वेतन आयोग द्वारा संस्तुत संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आशय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से

कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के मूलप्रती प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1143(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No.E(P&A)II/86/RS-15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 405 R.II.

RULE 2544

Sub-rule g(i) and g(ii) may be substituted by the following:

g(i) "For the purpose of calculation of average emoluments:—actual amount of running allowance drawn by the railway servant during the month limited to a maximum of 45% of pay, in the revised Scales of Pay".

g(ii) "For the purpose of gratuity and/or death-cum-retirement gratuity:—the monthly average of running allowances drawn during the 365 days of running duty immediately preceding the date of quitting service limited to 45% of average pay drawn during the same period, in the revised scales of pay."

(AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PCIII/75/RA/1 dated 22-3-1976 as amended by letter of even number dated 23-6-1976)

EXPLANATION:

The Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with the President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised Scales of Pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1144(अ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-II (पांचवां पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 में अनुसमर्थन के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1973 से प्रभावी होंगे।

[स. ई. (पी एच ए) 11/86/भार एम-15]

सं. वं.क.देशन,

निदेशक, स्थापना (वे. एवं म.), रेलवे बोर्ड

अनुसूची

समिति गृहपत्र में 407 रूपा. II

नियम 2544

उप नियम छ(1) और छ(2) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

छ(1) "औसत परिवर्द्धियों की गणना के प्रयोजन के लिए :— अवधि के दौरान संशोधित वेतन में लिये गये मूल औसत वेतन का 55 प्रतिशत।"

छ(2) "उपदान और/या मृत्यु और सेवानिवृत्ति उपदान के प्रयोजन के लिए :— अवधि के दौरान संशोधित वेतनमान में लिये गये मूल औसत वेतन का 55 प्रतिशत।"

[प्राधिकार : रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. ई (पी एण्ड ए) 2/80/आर एस 10]

स्पष्टीकरण :

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द 2 (पाँचवां पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। चालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनिर्णयों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इन संशोधन का भाग्य प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलक्षी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1144(E):—In exercise of the powers conferred by the provisions of Article 309 of the Constitution, the President

is pleased to amend Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

K. VENKATESAN,
Director, Establishment (P&A),
Railway Board.

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 407 R.II

RULE 2544

Sub-rule g(i) and g(ii) may be substituted by the following:

g(i) "For the purpose of calculation of average emoluments: 55% of basic average pay, in the revised scales of pay, drawn during the period;"

g(ii) "For the purpose of gratuity and/or death-cum-retirement gratuity: 55% of basic average pay, in the revised scales of pay, drawn during the period."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No.E(P&A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981]

EXPLANATION:

The Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint), has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee, to whom these rules apply.